# विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस प्रतिवर्ष **26 सितंबर को पर्यावरण के स्वास्थ्य के संदर्भ में विश्व स्तर पर जागरूकता का प्रसार** करने के लिये मनाया जाता है।

- इस दिन को मनाने के पीछे केंद्रीय विचार यह है कि मानव स्वास्थ्य का पर्यावरण के स्वास्थ्य के साथ अपरिवर्तनीय संबंध है।

## विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस:

- **पृष्ठभूमि:**
    - यह दिन पहली बार वर्ष 2011 में **इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एन्वायरनमेंटल हेल्थ (IFEH)** द्वारा मनाया गया था। जिसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में लोगों का कल्याण करना है।
        - IFEH पर्यावरण के स्वास्थ्य के संरक्षण और उसमें सुधार हेतु ज्ञान के विकास एवं प्रसार के लिये पूरी तरह से समर्पित है।
- **थीम:**
    - इस वर्ष का विषय **'सतत् विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिये पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाना'** है।
- **महत्त्व:**
    - यह आवश्यक है दुनिया समझे कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच अभिन्न संबंध है। इसलिये **सभी समुदायों के स्वस्थ जीवन हेतु हरित पुनर्प्राप्ति में निवेश करना आवश्यक है।**
    - विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्तमान में सामना की जा रही परिस्थितियों का लाभ उठाने के उद्देश्य से **"कोविड-19** की स्वस्थ पुनर्प्राप्ति के लिये घोषणापत्र" जारी किया।
    - इसके लिये मानव जाति के लिये पर्यावरण पर ध्यान देना तथा संतुलन बनाने की कोशिश करना और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है।
    - विश्व स्वास्थ्य संगठन ने **"COVID-19 की स्वस्थ पुनर्प्राप्ति के लिये घोषणापत्र"** जारी किया।
    - इसका उद्देश्य उस गति-शक्ति का लाभ उठाना है जिसका हम दुनिया भर में सामना कर रहे हैं।
    - **पर्यावरणीय स्वास्थ्य SDGs के कार्यान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाता है। यह दिलचस्प है कि पर्यावरणीय स्वास्थ्य 7 SDG, 19 योजनाओं और SDG के 30 संकेतकों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।

## भारत का पर्यावरणीय स्वास्थ्य:

- **वर्तमान स्थिति:**
    - पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2022 में भारत 18.9 के मामूली स्कोर के साथ 180 देशों की सूची में सबसे अंतिम स्थान पर है।
        - भारत सूची में म्याँमार (179वें), वियतनाम (78वें), बांग्लादेश (177वें) और पाकिस्तान (176वें) से पीछे है।
- **संबंधित पहलें:**
    - **नगर वन उद्यान योजना:** इस योजना का उद्देश्य स्वस्थ पर्यावरण को समायोजित करने के लिये **नगर निगम या श्रेणी-1 के शहरों (200 से अधिक संख्या वाले प्रत्येक शहर) में कम-से-कम एक शहरी वन विकसित करना है।**
    - **राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम (NWCP):** इस पहल की शुरुआत देश में **आर्द्रभूमि के संरक्षण और उपयोग के लिये की गई थी।**
    - **हरित कौशल विकास कार्यक्रम:** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने युवाओं के बीच पर्यावरण के संरक्षण के लिये आवश्यक कौशल विकसित करने हेतु जून 2017 में हरित कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया।
    - **मृदा बचाओ आंदोलन:** विश्व पर्यावरण दिवस 2022 पर प्रधानमंत्री ने **मृदा बचाओ आंदोलन**' की शुरुआत की। यह पहल **मृदा को रसायन मुक्त बनाने, मृदा में रहने वाले जीवों को बचाने, मृदा की नमी बनाए रखने, जल की उपलब्धता बढ़ाने** और जंगलों की कमी के कारण मृदा के निरंतर क्षरण को रोकने पर केंद्रित है।
    - भारत ने **2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने का लक्ष्य रखा है और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** का लक्ष्य रखा है।

## स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-environmental-health-day